वैश्विक दासता सूचकांक 2023

प्रिलिम्स के लिये:

आधुनिक दासता, G20 राष्ट्र, आतंकवाद, 1976 का बंधुआ श्रम उन्मूलन अधिनियम, संविधान का अनुच्छेद 23

मेन्स के लिये:

वैश्विक दासता सूचकांक 2023 के प्रमुख तथ्य, आधुनिक दासता के संबंध में भारत का रुख

चर्चा में क्यों?

वॉक फ्री फाउंडेशन की एक नई रिपोर्ट- '**वैश्विक दासता सूचकांक (The Global Slavery Index) 2023**', **वैश्विक स्तर पर** आधुनिक दासता **के बढ़ते प्रचलन** पर प्रकाश डालती है। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसी स्थितियों में रहने वाले लोगों की संख्या **50 मिलियन** तक पहुँच गई है जिसमें **पिछले पाँच वर्षों में 25% की व्यापक वृद्धि देखी गई है।**

- रिपोर्ट उस महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालती है जो G20 देशों ने अपनी व्यापार गतिविधियों और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं के माध्यम से इस **संकट** को बढ़ाने में निभाई है।
- **भारत, चीन, रूस, इंडोनेशिया, तुर्किये और अमेरिका** उन शीर्ष G20 **देशों में शामिल हैं जहाँ सबसे अधिक संख्या में** बंधुआ मज़दूर हैं।

आधुनिक दासता:

- आधुनिक दासता में शोषण के विभिन्न रूप शामिल हैं, जिनमें **जबरन श्रम, जबरन विवाह, ऋण बंधन, व्यावसायिक यौन शोषण, मानव तस्करी,** गुलामी जैसी प्रथाएँ और बच्चों की बिक्री एवं शोषण शामिल हैं।
- आधुनिक दासता के परिणाम **व्यक्तियों, समुदायों और समाज** के लिये विनाशकारी हैं।
  - यह मानवाधिकारों का उल्लंघन करती है, **मानवीय गरिमा को कम करती है और सामाजिक एकजुटता** को नष्ट करती है।
  - यह **आर्थिक विकास को भी बाधित** करती है, **असमानता को बनाए रखती है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है।** यह **संघर्ष,** आतंकवाद **एवं संगठित अपराध** को बढ़ावा देकर वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिये खतरा पैदा करती है।

वैश्विक दासता सूचकांक 2023 की प्रमुख उपलब्धियाँ:

- **प्रमुख बिंदु:**
  - **वैश्विक दासता सूचकांक 2023 के अनुसार, अनुमानित 50 मिलियन लोग वर्ष 2021 में किसी भी दिन आधुनिक गुलामी/दासता के शिकार थे। वर्ष 2016 के बाद इस संख्या में 10 मिलियन लोगों की वृद्धि हुई है।**
    - इसका मतलब है कि विश्व में प्रत्येक 160 में से एक व्यक्ति आधुनिक दासता का शिकार है।
  - **यह प्रति 1,000 लोगों पर आधुनिक दासता के अनुमानित प्रसार के आधार पर 160 देशों** की रैंकिंग करता है।
    - अधिकतम प्रसार वाले देश **उत्तर कोरिया (104.6), इरिट्रिया (93) तथा मॉरिटानिया (79)** हैं जहाँ आधुनिक दासता व्यापक और प्राय: राज्य प्रायोजित है।
    - सबसे कम प्रचलन वाले देश **आइसलैंड (0.6), आयरलैंड (0.8) तथा न्यूज़ीलैंड (0.9)** हैं जहाँ मज़बूत शासन और आधुनिक दासता के लिये प्रभावी प्रतिक्रियाएँ स्पष्ट हैं।
  - आधुनिक दासता में **एशिया और प्रशांत** के लोगों की संख्या सबसे अधिक है **(29.3 मिलियन)**।
    - **भारत में 8 की व्यापकता है।** (प्रति हज़ार लोगों पर आधुनिक दासता में रहने वाली जनसंख्या का अनुमानित अनुपात)।

Most prevalent

The countries estimated to have the highest prevalence of modern slavery tend to be conflict-affected, have state-imposed forced labour, and have weak governance.

	Rank	Prevalence Rate*	# of People
North Korea	1	104.6	2,696,000
Eritrea	2	90.3	320,000
Mauritania	3	32.0	149,000
Saudi Arabia	4	21.3	740,000
Türkiye	5	15.6	1,320,000
Tajikistan	6	14.0	133,000
United Arab Emirates	7	13.4	132,000
Russia	8	13.0	1,899,000
Afghanistan	9	13.0	505,000
Kuwait	10	13.0	55,000

*Estimated number of people in modern slavery per 1,000 population

Least prevalent

The countries with the lowest prevalence of modern slavery are those with strong governance and strong government responses to modern slavery.

	Rank	Prevalence Rate*	# of People
Switzerland	160	0.5	4,000
Norway	159	0.5	3,000
Germany	158	0.6	47,000
Netherlands	157	0.6	10,000
Sweden	156	0.6	6,000
Denmark	155	0.6	4,000
Belgium	154	1.0	11,000
Ireland	153	1.1	5,000
Japan	152	1.1	144,000
Finland	151	1.4	8,000

*Estimated number of people in modern slavery per 1,000 population

//

- **योगदान देने वाले कारक:**
  - रिपोर्ट प्रमुख कारकों के रूप में [जलवायु परिवर्तन](), **सशस्त्र संघर्ष, कमज़ोर शासन और** [कोविड-19 महामारी]() जैसी **स्वास्थ्य आपात स्थितियों** की पहचान करती है जिन्होंने **आधुनिक दासता में वृद्धि** में योगदान दिया है।
    - मुख्यत: **कमज़ोर श्रमिक सुरक्षा वाले देशों से 468 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के उत्पादों के आयात के कारण **आधुनिक दासता में जीवन जी रहे लोगों में से आधी संख्या** G20 देशों से है जिससे श्रमिकों की स्थिति खराब हो रही है।
- **वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं की भूमिका:**
  - जटिल और अपारदर्शी वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ जबरन मज़दूरी से जुड़ी हुई हैं जिनमें **कच्चे माल की प्राप्ति, निर्माण, पैकेजिंग और परिवहन** शामिल हैं।
  - रिपोर्ट उच्च जोखिम वाले उत्पादों जैसे- **इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा, ताड़ का तेल और सौर पैनलों के आयात** के साथ **जबरन मज़दूरी, मानव तस्करी तथा बाल श्रम** पर भी प्रकाश डालती है।
    - इससे पता चलता है कि G20 देश जो कि सामूहिक रूप से **प्रत्येक वर्ष अरबों डॉलर के कपड़ा और परिधान की वस्तुओं का आयात करते है, उसके उत्पादन में जबरन मज़दूरी का उपयोग किये जाने की संभावना है।**
- **मूल्यांकन पद्धति:**
  - [राजनीतिक अस्थिरता](), **असमानता, बुनियादी ज़रूरतों की कमी, आपराधिक न्याय तंत्र, आंतरिक संघर्ष और विस्थापन** जैसे कारकों ने एक राष्ट्र की आधुनिक गुलामी की भेद्यता को परिभाषित किया है।
  - सूचकांक 2022 **अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO), वॉक फ्री और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM)** द्वारा जारी डेटा का उपयोग करता है ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि कैसे "आधुनिक गुलामी सादे लिबास में छिपी हुई है"।
- **केस स्टडी: कपड़ा उद्योग:**
  - रिपोर्ट में **कपड़ा उद्योग को जबरन मज़दूरी में महत्त्वपूर्ण योगदानकर्त्ता के रूप में रेखांकित किया गया है** । यह जबरन और अवैतनिक काम, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जोखिम, कम मज़दूरी, लाभ की कमी तथा ऋण बंधन की स्थितियों का वर्णन करता है।

    - **तमलिनाडु में सुमंगली योजना** को कताई मलिों में महलिाओं और लड़कयिों की शोषणकारी स्थतियिों के उदाहरण के रूप में उल्लेखति कयिा जाता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रयास और चुनौतयिाँ:**
    - वर्ष 2030 तक **आधुनकि गुलामी, जबरन मज़दूरी और मानव तस्करी को समाप्त** करने के लक्ष्य को अपनाने के बावजूद रपिोर्ट में आधुनकि दासता में रहने वाले लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि तथा सरकारी कार्यवाही में प्रगति की कमी पर प्रकाश डाला गया है।
        - **रपिोर्ट 10 मलियिन लोगों की वृद्धि को जटलि संकटों के लयि ज़म्मिेदार ठहराती है,** जसिमें सशस्त्र संघर्ष, पर्यावरणीय गरिावट, लोकतंत्र पर हमले, महलिाओं के अधकिारों का वैश्वकि रोलबैक और कोवडि-19 महामारी के आर्थकि एवं सामाजकि प्रभाव शामलि हैं।
- **सफिारशि:**
    - वैश्वकि दासता सूचकांक सरकारों और व्यवसायों को आधुनकि दासता से जुड़ी वस्तुओं तथा **सेवाओं को आयात करने से रोकने के लयि मज़बूत उपायों और कानूनों को लागू करने की सफिारशि** करता है।
    - रपिोर्ट **जलवायु परविर्तन स्थरिता योजनाओं में दासता-वरिोधी उपायों को शामलि करने, बच्चों को शक्षिा प्रदान** करने, **बाल ववािह** से संबंधति नयिमों को कड़ा करने और मूल्य शृंखलाओं में पारदर्शता सुनश्चिति करने का भी सुझाव देती है।

आधुनकि दासता से संबंधति भारत का रुख:

- **वधिायी ढाँचा:**
    - भारत ने **बंधुआ मज़दूरी प्रणाली (उन्मूलन) अधनियिम, 1976** (संवदिा और प्रवासी श्रमकिों को शामलि करने हेतु 1985 में अधनियिम में संशोधन कयिा गया था) में बंधुआ मज़दूरों के पुनर्वास के लयि केंद्रीय योजना सहति आधुनकि दासता से नपिटने हेतु वधिायी उपाय कयि हैं।
    - **सर्वोच्च न्यायालय ने** यह भी फैसला सुनाया है कि **संवधिान के अनुच्छेद 23 के तहत न्यूनतम** मज़दूरी भुगतान "जबरन श्रम" के समान है।
- **चुनौतयिाँ:**
    - **देश में आधुनकि गुलामी के प्रभावी उन्मूलन में बाधा डालने वाले अधनियिमों** के कार्यान्वयन की कमी**, भ्रष्टाचार, कानूनी खामयिाँ और राजनीति** जैसी चुनौतयिाँ बनी हुई हैं।
        - उदाहरण के लयि **ओडशिा और पश्चमि बंगाल** जैसे **राज्यों में स्वदेशी समुदाय और मछली पकड़ने तथा कृषि में लगे लोग** ऋण बंधन, मानव तस्करी एवं बड़े पैमाने पर वस्थिापन के शकिार हुए हैं।
- **समय की आवश्यकता:**
    - **बहु आयामी दृष्टकिोण:**
        - सरकार को ऐसे **कानून बनाने और लागू करने की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की आधुनकि दासता को अपराध मानते हों एवं पीड़तिों के अधकिारों की रक्षा करते हों।**
        - व्यवसायों को यह **सुनश्चिति करने की आवश्यकता है कि उनकी संचालन और आपूर्ति शृंखलाएँ बलात् श्रम और मानव तस्करी** से मुक्त हों।
        - नागरकि समाज को **जागरूकता बढ़ाने, बदलाव को प्रोत्साहति करने और प्रभावति लोगों को सहायता** प्रदान करने की आवश्यकता है।
        - **व्यक्तयिों को इस मुद्दे पर स्वयं को शक्षिति/जागरूक करना चाहयि,** उन्हें उन फर्मों से पारदर्शता की मांग करनी चाहयि जनिके साथ वे व्यापार करते हैं या जनिमें नवेश करते हैं, साथ ही आधुनकि दासता के कसिी भी संदग्धि उदाहरण की सूचना देनी चाहयि।
    - **बंधुआ मज़दूरी पर सर्वेक्षण:**
        - आधुनकि दासता की स्थतियिों में फँसे लोगों की पहचान करने और उनकी गणना करने की भी आवश्यकता है। **भारत में बंधुआ मज़दूरी पर आखरिी राष्ट्रीय सर्वेक्षण 1990 के दशक के मध्य में कयिा गया था।**

नोट: वाक फ्री अंतर्राष्ट्रीय मानवाधकिार समूह है जो हमारे जीवन से आधुनकि दासता के सभी रूपों के उन्मूलन पर केंद्रति है।

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-slavery-index-2023